



Certificate in Dance

Duration : 3 Months

- संगीत में नृत्य का स्थान एवं नृत्य कला सीखने से लाभ
- कथक नृत्य के गुरु एवं कलाकारों की जानकारी
- निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान :-
 - सम, आवर्तन, थाट, आमद, तोड़ा या टुकड़ा, परन, हस्तक, कवित्त, गुरु वंदना
- ताल की व्याख्या एवं तीनताल (16 मात्रा), दादरा (6 मात्रा), कहरवा (8 मात्रा), रूपक (7 मात्रा), तालों की जानकारी
- लय की परिभाषा एवं उसके प्रकार
- मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध लोक नृत्यों की सामान्य जानकारी

प्रायोगिक –

- नृत्य के आरंभ में भूमि प्रमाण एवं गुरु वंदना
- तीन ताल में प्रारंभिक हस्तक— ठाह, दुगुन, लय में करने का अभ्यास
- तीनताल में थाट, आमद, पाँच तोड़ें, एक चक्करदार तोड़ा, परन, कवित्त, दो गत निकास (मटकी व मुरली), एक गतभाव (पनघट)
- निम्नलिखित विभिन्न अंचलों के एक-एक लोकनृत्यों का प्रायोगिक प्रदर्शन
 - मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब,